पेप्सीको ने शुरू किया पेप्सीकॉर्प्स कार्यक्रम

जयपुर, (वा.सं.)। विश्व की सबसे बड़ी फूड और पेय कंपनियों में से एक पेप्सीको ने भारत में पेप्सीकॉर्प्स, कार्यक्रम को शुरू करने का ऐलान किया है जोकि एक माह तक चलने वाला कार्यक्रम हैं, जिसमें कंपनी अपने कर्मियों को विश्व भर में एक सकारात्मक प्रभाव डालने के कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस कार्यक्रम के तहत पेप्सीकॉर्प्स टीम के 8 कर्मियों ने भोरूका चेरिटेबल ट्रस्ट (बीसीटी), जिला चुरू, राजस्थान में एक जल संचयन परियोजना को शुरू किया है, जो कि भोरूग्राम के निवासियों द्वारा पानी की कमी के चलते पैदा हुई चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रदान करेगा। पेप्सीकॉर्प्स इस एक माह के इस कार्यक्रम में पूरे विश्व में कर्मियों को पेप्सीको के उद्देश्य के साथ प्रदर्शन, एजेंडे के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय कारोबारी अनुभव प्रदान कर रहा है। इस एजेंडे के तहत यह माना जा रहा है कि लंबे समय तक लाभप्रद विकास का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है कि जब इस संसार के लोगों को एक स्वास्थ्यवर्धक और निरंतर उज्ज्वल भविष्य प्रदान किया जा सके। इस सांस्कृतिक विविधिता और बहुउद्देश्यीय लक्ष्य के लिए तय पेप्सीको टीम में शामिल ये कर्मी इस कार्यक्रम के माध्यम से अपना नेतृत्व कौशल भी बढ़ाएंगे और ये विश्व भर की जमीनी और सामाजिक गतिविधियों से भी परिचित होंगे। पेप्सिको के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (प्रतिभा प्रबंधन एवं विकास) सर्जियो एजेमा ने पेप्सीकॉर्प्स में भविष्य के नेताओं का विकास करने संबंधी इस प्रयास के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ''पेप्सीको इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने कर्मियों के रोजमर्रा के कामों से कुछ हटकर विश्व पर कुछ अलग प्रभाव डालना चाहता है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हमें उम्मीद है कि हम आने वाले कल का नेतृत्व तैयार कर पाएंगे जो कि विभिन्न प्रकार के कौशल से युक्त होंगे, जिनमें लचकता, स्वीकार्यता और लोगों की सहभागिता में काम करने की क्षमता होगी। भूगौलिक सीमाओं से मुक्त पेप्सीकॉर्प्स प्रतिभागियों को एक वैश्विक सोच विकसित करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के साथ सृजनात्मकता के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।''